लायक Layak Lyrics - Vineet Katoch, Vinay katoch

Layak Vineet Katoch, Vinay katoch

इंसान बनाके भेजा जिसने
इंसानियत ही देखेगा तेरी
आँखें मूंद के बैठा है पर
नज़रें हैं नहीं फेरी

हैसियत वो देखे ना
तू दिल ना छोटा कर
भरी सोने की थाली
कहाँ रखें जो
फिरता बिन झोली

भोले के दर पे तू
खाली ही चल दे
देगा वो भर के
तू लायक तो बन
बन्दे

बन्दे रे
बन्दे ओ

तू लायक तो बन
बन्दे रे

ये रात बीत है जानी
ये दिन भी ढल है जाना
सुख और दुःख है
दोनों आना जाना
डेरा यहाँ दो दिन
कहाँ कल ठिकाना

जो मिलना हो रब से
तो नज़रें मिला सको
गले वो लगा ले

गले वो लगा ले
ऐसे करम हो
ऐसे करम हो
ऐसे करम तेरे

नेकी पे चलना बन्दे
और रखना भरोसा रे

बन्दे भोले के दर पे तू
खाली ही चल दे
देगा वो भर के
तू लायक तो बन
बन्दे

बन्दे रे
नेकी पे चलना बन्दे
और रखना भरोसा रे
तेरी कर्मभूमि का तू
नायक तो बन बन्दे

बन्दे रे
बन्दे ओ

तू लायक तो बन
बन्दे रे

देने वाला ना पूछे
क्या है लाया तू
पूछे ना क्या काम
फिर क्यों आया तू

ओ तन मैला
कपड़ा ना देखेगा
पर दिल झांकेगा जरुर

पत्थर बसा भगवान
चेहरों में इंसान ढूंढ लेता है
चेहरों में इंसान
ढूंढ लेता है